द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 08 हैदराबाद फरवरी 2022 8 पृष्ठ रु.5/-

73वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं!

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

"आज का दिन हमारे लोकतंत्र को संजोने और भारत का संविधान देने वालों के प्रति नमन करने का एक और दिन है। भारत सदैव उन्नति करे और समृद्ध रहे। आइए हम सभी के लिए एक स्थायी भविष्य के लिए एक तकनीक-संचालित कौशल क्रांति की शुरुआत करें" शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, **श्री धर्मेंद्र प्रधान** ने भारत के **73वें गणतंत्र दिवस** के अवसर पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा। उन्होंने मकर संक्रांति के लिए शुभकामनाएं भी दीं, जो फसल के मौसम की शुरुआत को दर्शाता है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप के बारे में संबोधित करते हुए, श्री प्रधान ने कहा कि भारत 21वीं सदी में वैश्विक अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करेगा और व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए सबसे पसंदीदा बाजार होगा। "मैं अपने उद्यमियों और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े प्रतिभाशाली दिमागों की उपलब्धियों का जश्न मनाने में देश के साथ शामिल होता हूँ। हमारे युवाओं के उद्यम की भावना भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाए और वैश्विक चुनौतियों का समाधान भी पेश करे। हमें 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देने और धन सृजन करने वालों को बढ़ावा देने के लिए एक सक्षम वातावरण बनाना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के बारे में, श्री प्रधान ने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं में सीखने से महत्वपूर्ण सोच क्षमता का विकास होगा और युवाओं को वैश्विक नागरिक बनने में सक्षम बनाया जाएगा। ***"वेद से लेकर मेटावर्स तक, भारतीय शिक्षा प्रणाली अतीत को वर्तमान से जोड़ रही है और एक नई भविष्य को गले लगाने वाली तकनीक का निर्माण कर रही है।*** राष्ट्रीय शिक्षा नीति सीखने के परिदृश्य को बदलने और भारत के भाग्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एक समावेशी कक्षा सभी को असंख्य अनुभवों और दृष्टिकोणों से लाभान्वित करती है, और इस देश के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को समझती है" उन्होंने दोहराया। (स्रोत: pib.gov.in)

गतिविधियों की समीक्षा

- सामुदायिक व्यस्तता के लिए संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सुविधा के लिए परामर्श पर **8 संकाय विकास कार्यक्रम**
- **101 एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)** जिला नोडल एजेंसियों के साथ **संस्थागत कार्यशालाएं** - पी.एम.एफ.एम.ई., एम.ओ.एफ.पी.आई. के तहत ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना
- **127 जिला ग्रीन चैंपियन** पुरस्कारों की घोषणा
- **16 पी.एच.डी.** रिसर्च फेलोशिप हासिल किया गया
- **24** प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएं/ग्रामीण भारत से संबंधित **22** लघु अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण। अध्ययन नीति निर्माण के विभिन्न आयामों में ज्ञान बढ़ाने के लिए हैं।
- **28** ग्रामीण प्रबंधन इंटर्नशिप हासिल कर ली गई है।
- **12** कार्य अनुसंधान परियोजना प्राप्त हुए।
- कार्यशालाओं पर **1245** कार्य अनुसंधान परियोजना प्राप्त हुए। स्थिरता के क्षेत्रों में गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए कार्य अनुसंधान परियोजनाओं की घोषणा की गई।
- एस.सी.ई.आर.टी. + डाइट / विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग + शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों के लिए **व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना 2021-22 पर 4 क्लस्टर कार्यशालाएं**
- सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए **3 समझौता ज्ञापनों** पर हस्ताक्षर किए गए।
- ग्रामीण प्रबंधन पर पाठ्यपुस्तक - **परिवर्तन प्रबंधन** – प्रकाशित किया गया
- कई ज्ञान साझा करने की गतिविधियों के साथ-साथ **यू.बी.ए.** शुरू करने के लिए आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. 22 कॉलेजों तक पहुंचा

"विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व - हमें सामाजिक रूप से जिम्मेदार छात्रों को बनाने की आवश्यकता है जो विश्वविद्यालय परिसर से परे अपनी जिम्मेदारियों से अवगत हैं" - प्रो. ई सुरेश कुमार सदस्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और कुलपति अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ई.एफ.एल.यू.)।

"इंटर्नशिप, रोजगार, नवाचार और उद्यमिता - विकास की कुंजी" -- डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर मुख्य समन्वय अधिकारी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.)। प्रेरक अतिथि वक्ताओं के रूप में आमंत्रित, उन्होंने **संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता की सुविधा** पर एक कार्यशाला में अपनी क्षमताओं में वाक्पटु बात की - एफ.डी.पी. में सीखने को आगे बढ़ाने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम के लिए एक परामर्श सत्र। उन्होंने प्रभावी सामुदायिक व्यस्तता के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया।

संकाय विकास केंद्र एम.जी.एन.सी.आर.ई. - भारत रत्न नानाजी देशमुख भवन, जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, गोपनपल्ले के ऊपर तिरंगा फहराया गया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार ने एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में भारत के 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय ध्वज फहराया, जिसमें टीम एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने भाग लिया। **"नेतृत्व के साथ बड़ी जिम्मेदारी आती है"**, अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने कहा। उन्होंने संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया और टीम के सदस्यों से कार्य-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने काम में स्थिरता के महत्व को दोहराया।

संपादक की टिप्पणी

अच्छी फसल के साथ, बड़ी समृद्धि आती है। मैं अपने देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देता हूँ, सभी के अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना करता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि यह मौसम नई खुशखबरी लेकर आए। गणतंत्र दिवस पर हमने अपने संकाय विकास केंद्र पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मैं इस 73वें गणतंत्र दिवस पर हमारे महान राष्ट्र के लिए शांति और एकता के लिए प्रार्थना करता हूँ और इस जीवंत देश में जन्म लेने के लिए धन्य होने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। इस महामारी ने दुनिया भर में लोगों के जीवन पर कहर बरपा रखा है। हालांकि, लोगों ने वापसी की है और नए लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। लचीलापन विकास की कुंजी है। आइए हम सभी के आशीर्वाद में आनंद लें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें!

हमारे देश के सभी 742 जिलों (हमने पहले ही 400 को सम्मानित किया है) में उच्चतर शिक्षण संस्थानों (एच.ई.आई.) को पुरस्कृत करने के अपने पहले के एजेंडे को जारी रखते हुए, हमने 2012-22 के लिए 127 जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कारों की घोषणा की और घोषणाओं और परिणामी पुरस्कार प्रक्रियाओं को पूरा करने की प्रक्रिया जारी है। हमने ओ.डी.ओ.पी. पर पेशेवर मदद और विशेषज्ञता साझा करने के लिए जिला नोडल एजेंसियों के साथ 101 एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) संस्थागत कार्यशालाएं (जहां ग्रामीण उद्यमिता प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) को ग्रामीण उद्यमिता विकसित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल के रूप में गठित किया गया था) का आयोजन किया। .

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने महामारी की परिस्थितियों के कारण **संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता की सुविधा** के लिए ऑनलाइन मोड में स्विच करने पर 8 संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए। तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, केरल, जम्मू और कश्मीर, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के लिए आयोजित एफ.डी.पी. में कुल 1337 शिक्षकों ने भाग लिया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विषय विशेषज्ञ और प्रशिक्षित संसाधन व्यक्ति शामिल थे। अकादमिक नेतृत्व को कैसे लागू किया जाए, अच्छे नेता कैसे बनें, अपने संस्थानों को बेहतर स्थिति में कैसे बनाया जाए और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख से सम्मानित होकर विधिवत मान्यता प्राप्त करने के बारे में संकाय को प्रबुद्ध किया गया। हमने बाहर से संसाधन व्यक्तियों को आमंत्रित करते हुए मास्टर प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम आयोजित करके एफ.डी.पी. के संचालन के लिए अपनी आंतरिक टीम को प्रशिक्षित किया, जिन्होंने हमारी टीम का मार्गदर्शन और सलाह किया।

हमें 16 पी.एच.डी. शोध अध्ययन, 24 प्रमुख शोध परियोजनाएं और 22 लघु शोध परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्ष 2021-22 के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. अनुसंधान परियोजनाओं (प्रमुख / लघु परियोजनाओं) और पी.एच.डी. फैलोशिप के लिए भारतीय सार्वजनिक नीति शोधकर्ताओं और कार्यान्वयन समीक्षा संगठनों / अनुसंधान संगठनों को बुलाया। मानदंड और प्राथमिकता वाले क्षेत्र राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सार्वजनिक नीतियां हैं जो ग्रामीण भारत की चिंताओं को संबोधित करने वाले तत्व हैं। मुझे इन अध्ययनों के पूरा होने और देश में उनके द्वारा लाए जाने वाले परिणामों और योगदान पर खुशी है। हमने स्थिरता पर अपनी कार्य अनुसंधान परियोजना को भी पूरा किया।

"प्रौद्योगिकी, लोगों, परंपराओं, कौशल और उद्यमशीलता की भावना का समामेलन, जिसका उद्देश्य सतत विकास प्राप्त करना है जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य, सामाजिक रूप से न्यायसंगत और पर्यावरण के अनुकूल है" **अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई., यूनेस्को चेयर ऑन एक्सपेरिमेंटल लर्निंग, वर्क एजुकेशन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट (2021)** के रूप में उन्होंने यूनेस्को की चेयर द्वारा आयोजित सतत विकास के लिए **शैक्षिक शिक्षाशास्त्र और प्रौद्योगिकियों** पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में **संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व को सुविधाजनक बनाने के लिए संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व** पर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2022 के आलोक में सतत नवाचार और विकास के लिए अनुभवात्मक शिक्षा, अमृता स्कूल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट में मुख्य भाषण दिया।

सतत विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, शैक्षिक शिक्षाशास्त्र और प्रौद्योगिकी (ई.पी.टी.एस. 2022) का उत्कृष्ट हिस्सा यह था कि इस कार्यक्रम में 13 देशों के 49 विशिष्ट वक्ताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी का उद्देश्य विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में सतत विकास के लिए शैक्षिक शिक्षाशास्त्र की पुनर्कल्पना के लिए विचारों को इकट्ठा करने, प्रौद्योगिकियों, चुनौतियों और अवसरों का पता लगाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विचारकों, विशेषज्ञों और चिकित्सकों को प्रदर्शित करना है। मुख्य भाषणों के बाद संयुक्त राष्ट्र एस.डी.जी. के साथ संरेखण में स्थायी समाधान के साथ दुनिया भर के समुदायों को शिक्षित, सशक्त और लैस करने के उद्देश्य से अनुभवात्मक सीखने के लिए एक ऑनलाइन मंच के डिजाइन और विकास पर विचार-मंथन के लिए एक पैनल चर्चा हुई।

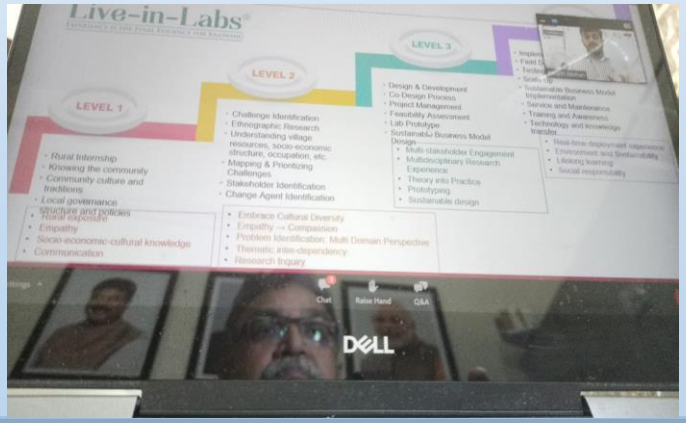

हमने इस वर्ष के लिए अपने अधिकांश लक्ष्यों को पहले ही प्राप्त कर लिया है और इस वित्तीय वर्ष के अंत में अपने संगठनात्मक लक्ष्यों को पूरा करने का इरादा रखते हैं।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर संबोधित करते हुए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष – विवेकासुभाषितम – संस्कृति फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा आयोजित। वक्ताओं में श्री बी.वी.आर. मोहन रेड्डी, पद्मश्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता, संस्थापक अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य साइएंट चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आई.आई.टी. हैदराबाद और आई.आई.टी. रुड़की; डॉ. एस. चंद्रशेखर सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार शामिल थे।

आइए हम इस 73वें गणतंत्र दिवस पर अपने महान राष्ट्र की उपलब्धियों और विकास को फिर से देखें और अपने सपनों और आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए उत्साह और गर्व के साथ काम करें! मेरे देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं और मैं कामना करता हूँ कि यह वर्ष प्रसन्नता और खुशियों से भरा रहे!

सामुदायिक व्यस्तता के लिए संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सुविधा के लिए परामर्श पर संकाय विकास कार्यक्रमों को बड़ी सफलता मिली है, जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम में 60 से अधिक उच्चतर शिक्षण संस्थानों और कम से कम 100 प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। सत्र सामुदायिक व्यस्तता के पहलुओं को संरेखित करने वाले महान शिक्षण-सीखने के अनुभव थे, और ग्रामीण समाज, ग्रामीण आधारभूत संरचना, ग्रामीण तल्लीनता, पी.आर.ए. तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करने वाले मार्गदर्शन और सुविधा कौशल; ग्रामीण संस्थान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सफाई, जल प्रबंधन (जल शक्ति), प्राकृतिक संसाधन, आजीविका और ग्रामीण उद्यमिता। चयनित संस्थागत स्वच्छता केस स्टडीज और वीडियो केस स्टडीज को प्रकाशित किया जाएगा और मेरिट फेलोशिप पुरस्कारों का भुगतान किया जाएगा।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि हमने पी.एच.डी. फेलोशिप, मेजर/माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट्स और एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स के अपने लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। इन अध्ययनों से ग्रामीण अध्ययन, स्वच्छता और स्थिरता में काफी मदद मिलेगी। एस.सी.ई.आर.टी. + डाइट / विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग + शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेजों के लिए व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना 2021-22 पर हमारी कार्यशालाएं अपेक्षित परिणामों को पूरा कर रही हैं। मुझे खुशी है कि आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. अपनी यू.बी.ए. पहल के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, यू.बी.ए. को शुरू करने के लिए कॉलेजों तक पहुंच रहा है और कॉलेज-ग्राम कनेक्ट गतिविधियों में अपना योगदान दे रहा है।

मैं डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस 2021-22 को बधाई देता हूँ और अधिक कैंपस सस्टेनेबिलिटी पहल की आशा करता हूँ।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

संकाय विकास कार्यक्रम

"सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन"

एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने "संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन और सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा" पर 8 संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए। आसन्न कोविड 19 परिस्थितियों के कारण परिसर में भौतिक एफ.डी.पी. को फिर से ऑनलाइन मोड में वापस लेन-देन किया गया। प्रत्येक एफ.डी.पी. में 60 से अधिक उच्चतर शिक्षण संस्थान शामिल थे जो संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ावा देने वाले अपने नेतृत्व कौशल के माध्यम से अपने संस्थान में नवीन परिवर्तन लाने के इच्छुक थे।

कर्नाटक, केरल, ओडिशा, जम्मू और कश्मीर, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के लिए आयोजित एफ.डी.पी. में कुल 1337 शिक्षकों ने भाग लिया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विषय विशेषज्ञ और प्रशिक्षित संसाधन व्यक्ति शामिल थे।

एफ.डी.पी. सत्रों ने सामुदायिक व्यस्तता, और ग्रामीण समाज, ग्रामीण बुनियादी ढांचे, ग्रामीण तल्लीनता, पी.आर.ए. तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करने वाले परामर्श और सुविधा कौशल के पहलुओं को संरेखित किया; ग्रामीण संस्थान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सफाई, जल प्रबंधन (जल शक्ति), प्राकृतिक संसाधन, आजीविका और ग्रामीण उद्यमिता। चयनित संस्थागत स्वच्छता केस स्टडीज और वीडियो केस स्टडीज को प्रकाशित किया जाएगा और मेरिट फेलोशिप पुरस्कारों का भुगतान किया जाएगा। अकादमिक नेतृत्व को कैसे लागू किया जाए, अच्छे नेता कैसे बनें, अपने संस्थानों को बेहतर स्थिति में कैसे बनाया जाए और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख से सम्मानित होकर विधिवत मान्यता प्राप्त करने के बारे में संकाय को प्रबुद्ध किया गया।

परामर्श तकनीकी रूप से संवारने की दक्षताओं का निर्माण करता है और अभ्यास उन्मुख है। सुविधा निर्णय लेने और कौशल और दक्षताओं को बढ़ाने में मदद करती है। संस्थागत और सिस्टम अपग्रेडेशन और अपडेशन के माध्यम से संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका निभाने के लिए संस्थानों के संकाय सदस्यों को तैयार करने के लिए एक सतत संस्थागत प्रयास की आवश्यकता है। नतीजतन, एच.ई.आई. छात्र-समुदाय व्यस्तता या समुदाय-उन्मुख परियोजना कार्य के माध्यम से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे। संकाय हस्तांतरणीय कौशल विकसित करेगा जैसे समस्या समाधान कौशल; महत्वपूर्ण सोच; रचनात्मक कौशल; उनके अभ्यास के सामाजिक और नैतिक निहितार्थों को समझने की क्षमता; संचार और टीम कार्य कौशल; पारस्परिक कौशल और सहानुभूति, सुनना और सम्मान।

एफ.डी.पी. के फोकस के प्रमुख क्षेत्र - संस्थागत नेताओं को मार्गदर्शन देना / समूह प्रक्रियाओं की सुविधा ग्राम विसर्जन विधियों और तकनीकों / सहभागी सीखने और कार्य / प्रमुख रणनीतियां और सामरिक नेतृत्व / उन्नत भारत अभियान और अकादमिक नेतृत्व / अकादमिक नेतृत्व में अनुभवात्मक शिक्षा / उत्कृष्टता के लिए परिवर्तन को लागू करना / एच.ई.आई. / ग्रामीण समाज / ग्रामीण अर्थव्यवस्था/ग्रामीण राज्य व्यवस्था / ग्रामीण प्रशासन / ग्रामीण विकास / सामुदायिक व्यस्तता प्रक्रिया / प्रशासनिक नेतृत्व / निर्देशात्मक नेतृत्व / परिचालन नेतृत्व / केस डिस्कशन विधियों / रोल प्ले और टीम बिल्डिंग / नेटवर्किंग के माध्यम से जवाबदेही में विकास संगठन आकांक्षा / दूरदर्शी नेतृत्व / अकादमिक नेताओं के लिए मार्गदर्शन और सुविधा कौशल / सीखने के लिए समूह और व्यक्तिगत अभ्यास / फील्ड लर्निंग के लिए असाइनमेंट

संकाय विकास कार्यक्रम का परिचय -

1. **परियोजना प्रबंधन:** किसी भी कार्य को एक निश्चित समय में और उपलब्ध बजट के साथ पूरा करने के लिए
2. **सामुदायिक व्यस्तता:** समुदाय की महसूस की गई जरूरतों को पूरा करने के लिए जो शैक्षणिक संस्थान की क्षमता के भीतर हैं
3. **कॉर्पोरेट / संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व:** शैक्षिक संस्थान को बढ़ावा देने के लिए पड़ोसियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व जो स्थान, भूजल प्रदान करते हैं, सेवाएं और मानव शक्ति प्रदान करते हैं, कचरे का प्रबंधन करते हैं, सड़क और परिवहन प्रदान करते हैं
4. **सुविधा:** सर्वसम्मति बनाने और संसाधनों को साझा करके समुदायों के साथ काम करने पर उन्मुखीकरण के लिए
5. **मैंटरिंग:** उच्चतर शिक्षा संस्थानों के सामुदायिक व्यस्तता के लिए उन्मुखीकरण, निरंतर हाथ पकड़ना और मार्गदर्शन करना।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने संकाय और छात्रों को प्रभावी मार्गदर्शन देने में उनकी क्षमता को समृद्ध करने के लिए राज्य भर में परिषद के संसाधन व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। संसाधन व्यक्तियों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले प्रशिक्षण सत्र के संचालन के लिए डी.ओ.पी.टी. प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षकों को शामिल किया गया था।

प्रयुक्त संसाधन पद्धतियों की झलक -

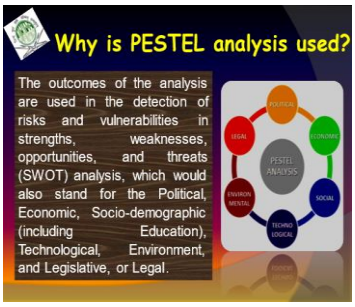

मार्गदर्शन और परामर्श के बीच का अंतर यह है कि एक व्यक्ति द्वारा अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में मार्गदर्शन मांगा जा सकता है, जबकि परामर्श बहुत लक्ष्य आधारित है। एक छोटे बच्चे से लेकर एक हाई स्कूल के छात्र तक, एक निश्चित मात्रा में दबाव होता है जिसके लिए हम छात्र बिरादरी को वश में करते हैं। इस दबाव के परिणामस्वरूप छात्र की अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं और इसके परिणामस्वरूप मार्गदर्शन और सलाह की आवश्यकता होती है। एफ.डी.पी. प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, प्रतिभागियों ने विस्तार के तरीकों और महामारी काल में मेंटरिंग के पारंपरिक तरीकों को फिर से काम करने की योजनाओं पर चर्चा की हैं। महामारी की स्थिति में छात्रों को क्षेत्र के दौरे और व्यावहारिक अनुभवों के लिए ले जाना एक चुनौती है। रोल प्ले और वर्ड / वीडियो केस स्टडीज ने प्रतिभागियों का ध्यान ग्रामीण समाज, संस्थानों, अर्थव्यवस्था की ओर आकर्षित किया, जिसमें लेन-देन के अवसरों के साथ, और किसी दिए गए समुदाय की आवश्यकता का आकलन किया गया। सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी.आर.ए.), पेस्टल को लाइव केस स्टडी और अभ्यास के साथ समझाया गया।

बदलाव लाने के लिए, हमें संस्था से शुरू होकर वर्तमान स्थिति को समझने की जरूरत है। स्वच्छता स्थिरता सूचकांक मूल्यांकन उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक ऐसा प्रारंभिक बिंदु है जिनमें सुधार की आवश्यकता है। स्वच्छता के लिए संस्थागत स्थिरता (पानी, ऊर्जा, अपशिष्ट) की प्रगति समुदाय को टिकाऊ बनाने के लिए इसका विस्तार कर रही है। सौर और ऊर्जा के अन्य अपरंपरागत स्रोतों के लिए संक्रमण सबसे अच्छा एच.ई.आई. में शुरू किया गया है और अंततः परिसरों से ये समुदायों में फैल गए हैं।

सुविधा और परामर्श ऐसे कौशल हैं जिनकी आवश्यकता संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के हिस्से के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तक्षेप के लिए होगी। ये कौशल न केवल उच्चतर शिक्षा संस्थानों के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि संकाय और छात्रों को वर्ड और वीडियो केस स्टडी, रोल प्ले और फील्ड विज़िट जैसी वैकल्पिक शिक्षण विधियों में भाग लेने के अवसर भी प्रदान करते हैं।

पूर्व-एफ.डी.पी. प्रशिक्षण प्रगति पर है.....

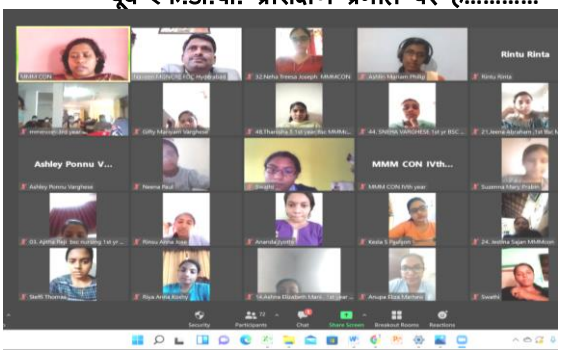

एफ.डी.पी. सत्र प्रगति पर है

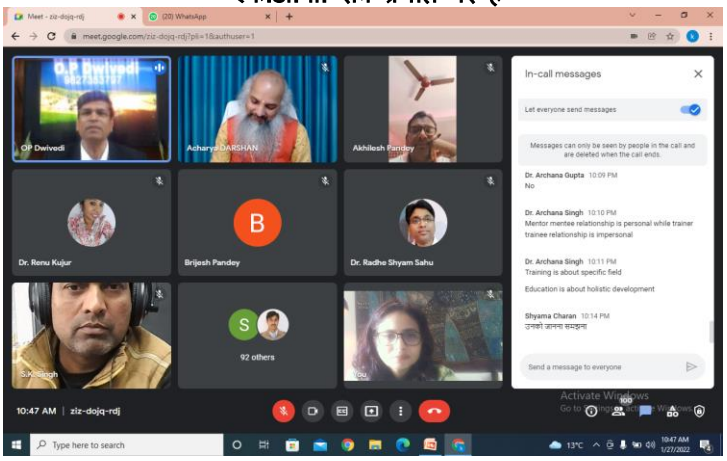

छत्तीसगढ़ के 25 जिले

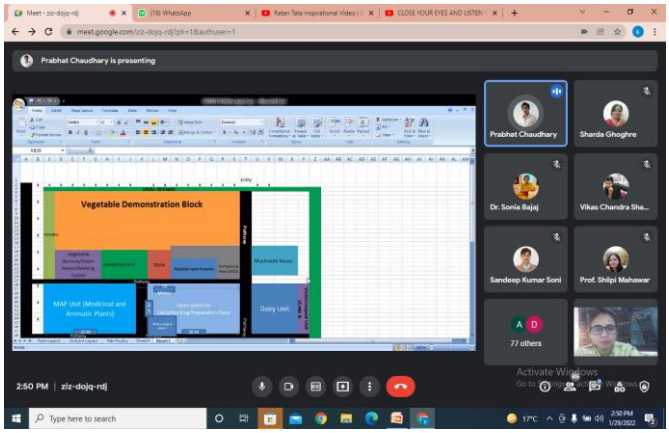

मुख्य तथ्य- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करते समय मार्गदर्शन और सुविधा तकनीकों का उपयोग कैसे करें; सामुदायिक व्यस्तता के दौरान संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करते हुए पुनर्चक्रण का महत्व और इसे कैसे शुरू किया जाए; कृषि तकनीकों के नए रूप जिन्हें सामुदायिक व्यस्तता के दौरान लागत प्रभावी तरीके से पेश किया जा सकता है और कृषि में सहायता के लिए मोबाइल ऐप का उपयोग कैसे किया जा सकता है; स्वयं सहायता समूहों का गठन कैसे किया जा सकता है और वे तरीके और साधन जिससे वे अपनी आजीविका के अवसरों को बढ़ा सकते हैं और सतत विकास में भी योगदान दे सकते हैं; एच.ई.आई. गांवों को गोद लेने और आय पैदा करने और बेहतर और संतुलित सामाजिक और आर्थिक संरचना के लिए आवश्यक दिशा प्रदान करने की दिशा में अग्रणी बनने में कैसे योगदान दे सकते हैं

एफ.डी.पी.-झारखंड – जिले - बोकारो, चतरा, देवघर, दुमका, धनबाद , पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गढ़वा, गोड्डा, गुमला, हजारीबाग, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़, पलामू, रामगढ़, रांची, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, पश्चिम सिंहभूम

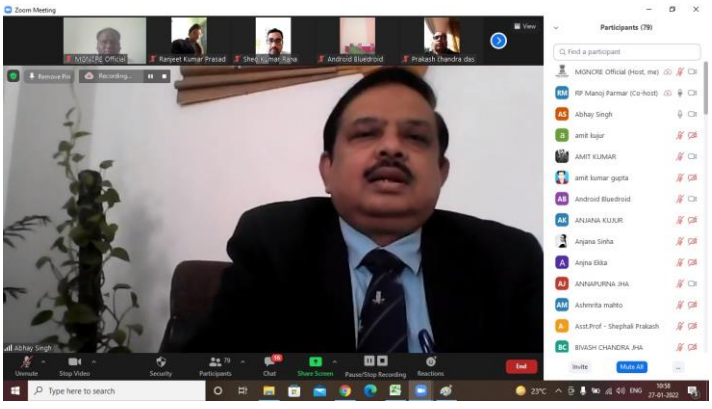

प्रोफेसर अभय सिंह, मास्टर ट्रेनर, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, झारखंड के संकाय सदस्यों को मेंटरिंग स्किल्स पर प्रशिक्षण प्रदान करते हुए

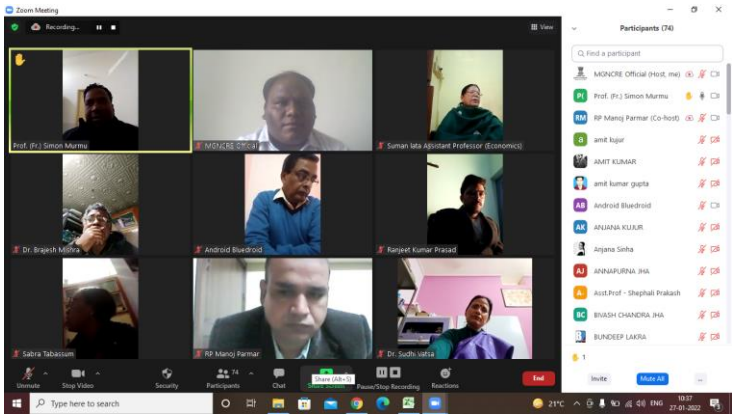

डॉ. वेंकट पुल्ला, स्ट्रेंथ बेस्ड सोशल वर्क प्रैक्टिस के फाउंडेशन प्रोफेसर, ब्रिस्बेन इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेंथ बेस्ड प्रैक्टिस सीनियर रिसर्च फेलो, (एडजंक्ट) आई.एल.डब्ल्यू.एस., चार्ल्स स्टर्ट यूनिवर्सिटी, इनॉगुरल फेलो, ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ रिसर्चर्स, सोशल में स्ट्रेंथ-बेस्ड एप्रोच पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हुए कार्य

एफ.डी.पी. - कर्नाटक -

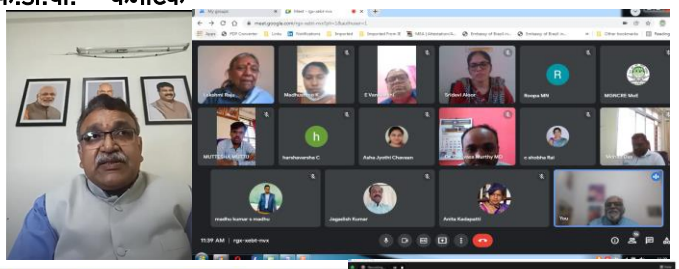

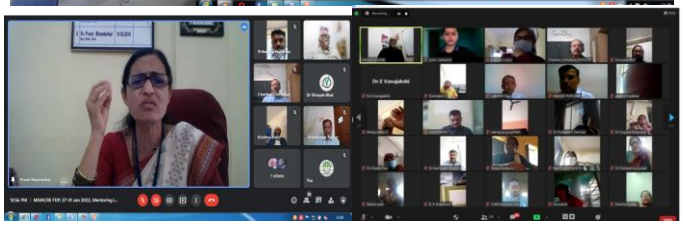

डॉ. वेंकट पुल्ला के सत्र की मुख्य तथ्य - ***ग्रामीण समाज में सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों पर काम करते समय आंतरिक शक्तियों का उपयोग करना*** - 1) सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजनाओं पर काम करते समय आंतरिक शक्तियाँ कैसे प्रभावी हो सकती हैं 2) सामाजिक उत्तरदायित्व पहल करते समय यह महत्वपूर्ण है कि सकारात्मक मानसिकता रखें 3) राजनीतिक और सामाजिक मुद्दे उद्देश्य में बाधक नहीं होने चाहिए 4) तत्व निहित स्वार्थों के लिए सामाजिक कार्यकर्ता के विचारों को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे। आवाज होना और निष्पक्ष रूप से काम करना महत्वपूर्ण है 5) लोगों को क्या चाहिए और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के लिए समझें और मापें 6) सबसे आसान सशक्तिकरण रणनीतियाँ तब आती हैं जब सामाजिक कार्यकर्ता केस प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं। ग्रामीण समाज की कुछ भागीदारी के साथ 7) ग्रामीण समाज को ग्रामीण परियोजनाओं के लिए लाभ प्रदान करने में गैर सरकारी संगठनों द्वारा एक लागत शामिल है। अंतिम लाभ जो ग्रामीण समाज तक पहुंचता है, वह इन लागतों को निकालने के बाद कुल परिव्यय का केवल एक प्रतिशत है। 8) मुख्यधारा (शहरी) और डाउनस्ट्रीम (ग्रामीण) के बीच अंतर न करें क्योंकि यह एक विभाजन पैदा करता है और सामाजिक जिम्मेदारी पहल के उद्देश्य को प्रभावित करता है।

ऐसा वर्गीकरण अनावश्यक है। 9) हमें अपने ग्रामीण समाज को अपनी ताकत का पता लगाने की जरूरत है, अगर कोई महत्वपूर्ण क्षण है जब उन्हें समर्थन की आवश्यकता होती है, तो उनके लिए बने रहें। हम जिस अतिरिक्त मील की यात्रा करते हैं, वह अधिक स्वाभिमानी लोगों का निर्माण करता है जो अंततः हमारे हस्तक्षेपों की सराहना करेंगे। 10) सरल प्रश्न अधिकतम परिणाम देते हैं: उनके लिए क्या काम किया है? क्या काम नहीं करता? वर्तमान स्थिति में क्या काम आ सकता है?

एफ.डी.पी. - जम्मू और कश्मीर - जिले - अनंतनाग, बारामूला, बडगाम, डोडा, गांदरबल, किश्तवाड़, कुलगाम, कुपवाड़ा, पुलवामा, पुंछ, सांबा, शोपियां, रामबन, राजौरी, कठुआ

डॉ. सुनील धप्टे ने संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व सामुदायिक व्यस्तता: परामर्श और सुविधा पर चर्चा की

मुख्य तथ्य - संस्था को टिकाऊ बनाने के लिए प्रयास करना और सतत ग्रामीण विकास के लिए प्रयास करना; ग्रामीण जीवन, संस्कृति और सामाजिक वास्तविकताओं की समझ हासिल करना; स्थानीय समुदाय के साथ सहानुभूति और पारस्परिक संबंध की भावना पैदा करना; भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था में स्थानीय समुदायों के योगदान की सराहना करना; मूल ज्ञान और समुदाय के ज्ञान को महत्व देना सीखें; समुदाय के सामाजिक-आर्थिक सुधारों में योगदान करने के अवसरों की पहचान करना; सैद्धांतिक ज्ञान को क्षेत्र की वास्तविकताओं में लागू करना, जिससे सामुदायिक व्यस्तता के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सके; उच्चतर शिक्षा के आधार के रूप में सामाजिक उद्देश्यों के लिए क्षेत्रीय कार्य, हितधारकों की बातचीत और डिजाइन की आवश्यकता के महत्व को पहचानें।

एफ.डी.पी. - ओडिशा - जिले - कटक, जगतसिंहपुर, झारसुगुडा, केंद्रपाड़ा, कालाहांडी, बोलांगीर, कंधमाल, बौध, पुरी, नुआपाड़ा, नबरंगपुर, अनुगुल, देवघर और मलकानगिरी

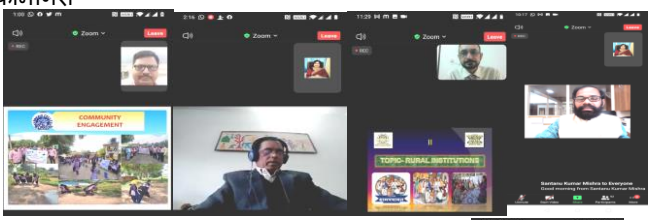

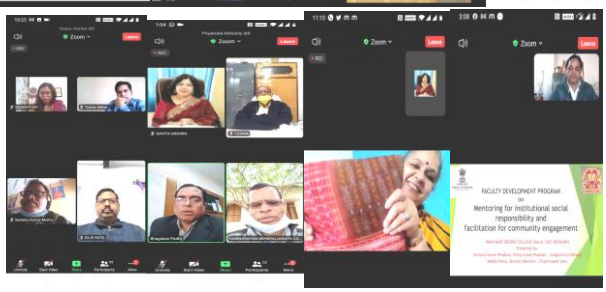

एक शानदार और लंबे समय तक चलने वाला शिक्षण-अधिगम अनुभव!

प्रतिभागियों द्वारा साझा की गई प्रतिक्रिया

Two Key Learning Points from the Day's Sessions	What I Liked about the Day's Sessions
Mentoring the Community	Story of child
Leadership skills and rural development activities	Both sessions very nice and interesting
NSS and NGO interaction with rural areas and activities	It's a more lively attraction, so please keep it up.
What is success? This poem shows the real success and also success is discovering new ways to reach higher. Nice	Lakshmi mam told like motivation story
Mentor Mentee concept and social activities	Very Simple and Clear presentations
Share Knowledge, Attitude	Everything
Mentoring skills, work with the community. The role of mentee	Content, presentation
Awareness of eye, blood and organs donation Cleaning in our environmental	I like about the day's sessions awareness and environmental clean
Social responsibility & social innovation	Demonstrate such a thing like a field experience is good mam
Learnt that age is not limit to work after hearing lecture from Lakshmi mam	All the sessions are interesting
PRA and creating interest among students	Individual Involvement
How to enrich rural India and rural upliftment of the development of the people	Entire session of the day was good and informative. Tips given about the implementation of rural upliftment.
Mentoring from Heart	Bhumi Mam
Mentoring	Lakshmi Ma'am
Society conducive, Greenery environment	How to educate social friendly
Social Responsibility, Community Engagement	Excellent Speech of Padma Mam
About success, Mentor and mentee work together	Dr. Lakshmi mam Session
Mentor plays a role of a mother. Grow and help others to grow. That is a real success in life	Interactive
Mentoring, Institution social responsibility	Lakshmi madam speech with story, example
Students projects and Extension activities	Interesting to hear the success stories.
About success and Gratitude note	Lakshmi madam speech
Mentors Skill, Ability	Agri
Mentoring role and heart-set to be a mentor	Heart-set
Success and hard work	Discussion about success
Creativity, development	Valuable session
Excellent and empowering	Smooth going on the meeting

तेलंगाना में विकाराबाद, यादाद्री भुवनगिरी, जंगांव, सिद्दीपेट और अलेयर जिलों के लिए **ग्रामीण शैक्षणिक नेतृत्व** पर एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में एक भौतिक एफ.डी.पी. भी आयोजित की गई थी। प्रो. पवन कुमार रेड्डी, डॉ. राजशेखर, यू.ओ.एच., प्रो. नरसिम्हुलु, यू.ओ.एच., डॉ. मधुसूदन, यू.ओ.एच., डॉ. शिवशंकर प्रसाद, यू.ओ.एच., और प्रो. साई कुमार यू.ओ.एच. अतिथि वक्ता थे, जिन्होंने ग्रामीण अकादमिक नेतृत्व पर प्रतिभागियों को प्रबुद्ध किया।

एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान पी.एम.एफ.एम.ई., एम.ओ.एफ.पी.आई. के तहत ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना

एक जनपद एक उत्पाद
ONE DISTRICT ONE PRODUCT

101 एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) संस्थागत (ग्रामीण उद्यमिता प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) के साथ) जिला नोडल एजेंसियों के साथ स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन ओ.डी.ओ.पी. पर पेशेवर मदद और विशेषज्ञता साझा करने के लिए किया गया था। ग्रामीण उद्यमिता विकसित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल के हिस्से के रूप में संस्थानों में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों का गठन किया गया था। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण उद्यमिता को संबोधित करने के लिए एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान शुरू किया। ओ.डी.ओ.पी. अवधारणाओं का अध्ययन और कौशल में परिवर्तित करते समय इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक जिले को संबंधित ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद लेने और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के तरीके खोजने, अधिशेष कृषि-उत्पाद का प्रबंधन करने और ग्रामीण से शहरी (खेत से घर) विपणन संबंध बनाने पर काम करने की आवश्यकता है जो ग्रामीण कृषि उद्यमी को उसकी आय में सुधार करने में मदद कर सकता है।

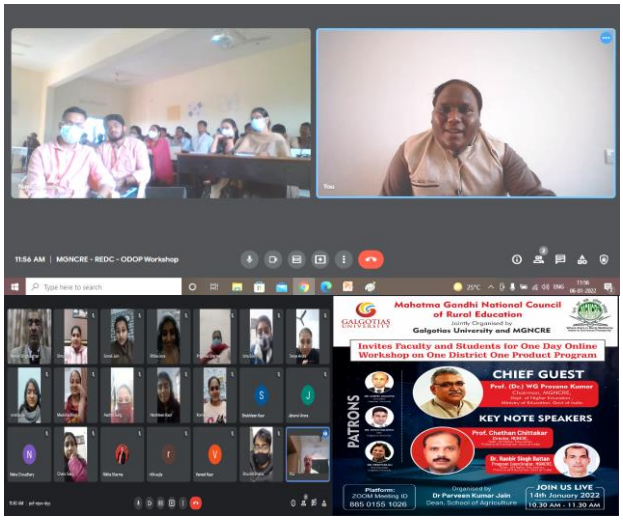

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए **3 समझौता ज्ञापनों** पर हस्ताक्षर किए गए -

1. . मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
2. निसर्ग कृषि उद्यमिता फाउंडेशन (एम.एस.एम.ई.-गैर-लाभकारी सामाजिक उद्यमिता विकास पहल के तहत नोडल एजेंसी) भोपाल, एम.पी.
3. के.एम.आर.डी. जैन कॉलेज फॉर विमेन, मलेरकोटला, पंजाब

नियमों के अनुसार दिमाग लगाने वालों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दें, और भविष्य के बच्चों के कोर्ट के पास कम कार्य करने के लिए होगा।
- लुईस ई. लावेस

आजादी का अमृत महोत्सव

डाइट में नई तालीम व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा की गतिविधियां

476 विजेताओं की घोषणा की गई और सम्मानित किया गया।

निरंतरता में आंशिक सूची से.....

#	डाइट/संस्थान	# विजेता
76	कामरूप	3
77	कांकेर छत्तीसगढ़	2
78	कन्नौज	2
79	करौली	3
80	करबियांगलांग	3
81	करीमगंज	3
82	कड़कड़डूमा दिल्ली	3
83	कौशांबी	3
84	खैरागढ़	3
85	खुपा	3
86	किन्नौर	3
87	कोलासिब मिजोरम	3
88	कोल्हापुर एमएच	3
89	कोटा	3
90	कोट्टायम	3
91	कुल्लू एचपी	3
92	कुमता	1
93	लखीमपुर	3
94	ललितपुर	3
95	लाटोहर एमपी	3
96	मिजोरम	3
97	लखनऊ	3
98	महाराजगंज	3
99	महासमुंद	3
100	महिसागर	3

व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना 2021-22
व्यावसायिक गतिविधि और अनुभवात्मक शिक्षा की सराहना करना

एस.सी.ई.आर.टी. + डाइट / विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग + शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज टास्क फोर्स के लिए व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना 2021-22 पर 4 क्लस्टर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। सातवाहन विश्वविद्यालय तेलंगाना, एस.सी.ई.आर.टी. और डाइट राजस्थान, डॉ. भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा और छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर।

कार्यशालाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया:

- *व्यावसायिक शिक्षा शिक्षाशास्त्र (वी.ई.पी.) के दर्शन को समझना*
- *वीईपी तहत 6 प्रकार की गतिविधियों से परिचित होना*
- *एक जनपद एक फसल और क्राफ्ट की पहचान करना और अपने जिले की फसल और/या क्राफ्ट को इस रूप में प्रस्तुत करना आर्थिक मूल्य के साथ उत्पादक कार्य के रूप में छात्र शिक्षकों द्वारा की गई एक स्थायी व्यावसायिक गतिविधि*
- *चुनी हुई व्यावसायिक गतिविधि के लिए डी. एल. एड. / बी. एड. और स्कूल पाठ्यक्रम को एकीकृत करने के तरीकों की पहचान करना*
- *यह सराहना करना कि व्यावसायिक गतिविधि छात्र शिक्षकों के लिए एक अनुभवात्मक सीखने की गतिविधि होगी आवश्यकता*
- *केस स्टडी के माध्यम से स्थानीय जरूरतों के आधार पर सामुदायिक व्यस्तता के तरीकों से परिचित होना*
- *केस स्टडी करने के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर अनुभवात्मक सीखने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा करना*
- उन गतिविधियों की पहचान करना जिन्हें वे शैक्षणिक वर्ष 2012-22 में लागू करेंगे
- संस्था में वीईपी कार्य योजना टास्क फोर्स की आवश्यकता की सराहना करना और उसका गठन करना
- *व्यावसायिक शिक्षा के प्रलेखन और कार्यान्वयन के लिए टास्क फोर्स को सक्रिय करना*

06/01/2022	राजस्थान	एस.सी.ई.आर.टी. और डाइट
14/01/2022	उत्तर प्रदेश	डॉ. भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा
21/01/2022	तेलंगाना	सातवाहन विश्वविद्यालय
28/01/2022	उत्तर प्रदेश	छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

माननीय कुलपति डॉ. विनय पाठक ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर उत्तर प्रदेश के डीन डॉ. मनीष कुमार के साथ और 80 प्रतिभागियों ने एक जनपद एक उत्पाद अभियान पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यावसायिक शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के शिक्षा विभाग में व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना 2020-21 पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें इस विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के डीन और 50 संकाय सदस्य शामिल थे।

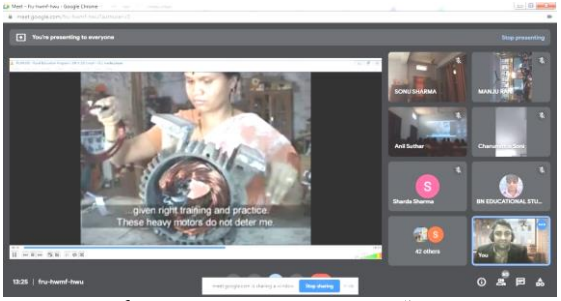

राजस्थान एस.सी.ई.आर.टी., उदयपुर, राजस्थान में चल रही व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्य योजना कार्यशाला

गांधीजी स्कूलों में सीखने का प्रकार "सिर, दिल और हाथ से सीखना" चहते थे। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण छात्रों को स्नातक होने से पहले अपने चुने हुए करियर पथ में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देता है, "व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन कार्यशाला में उस्मानिया विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संकाय प्रोफेसर ललिता ने कहा। प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, सातवाहन विश्वविद्यालय के संकाय और तेलंगाना के शिक्षा के संबद्ध कॉलेजों सहित 40 प्रतिभागियों ने एक जनपद एक उत्पाद प्रमुख फसल धान, चावल आधारित उत्पादों और सब्जियों के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा अध्यापन को बी एड और डी एल एड पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के दिलचस्प तरीके साझा किए।

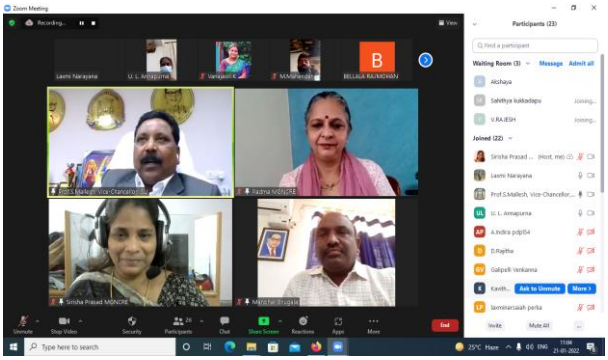

स्वच्छता कार्य योजना - 2021-22

जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार 2021-22 घोषित (आंशिक सूची)

127 जिला ग्रीन चैंपियन पुरस्कार 2021-22 की घोषणा की गई है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पहले 400 एच.ई.आई. को जिला ग्रीन चैंपियंस के रूप में सम्मानित किया था, जो पूरे देश में सामुदायिक व्यस्तता, हरियाली, जल संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य और कोविड जागरूकता और तैयारी में शामिल 22,000 से अधिक उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ काम कर रहा था। पुरस्कार जिला कलेक्टरों, आयुक्तों और मजिस्ट्रेटों द्वारा प्रदान किए गए। अब, परिषद शेष 342 उच्चतर शिक्षा संस्थानों (कुल 742 जिलों में से) को पुरस्कृत करने की राह पर है, जिन्हें फरवरी 2022 तक चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

एस.ए.पी. 2021-22 के कार्यान्वयन के आधार पर एस.ए.पी. सलाह और ग्राम स्वच्छता निगरानी गतिविधियों के लिए 119 जिलों में से 119 एच.ई.आई. की पहचान की गई थी। ये एच.ई.आई. पहले प्रशिक्षित थे और 6 महीने से अधिक की अवधि के लिए समावेशी और एच.ई.आई.- संकाय-छात्र संचालित एस.ए.पी. गतिविधियों का हिस्सा थे। एच.ई.आई. ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को एस.ए.पी. कार्यान्वयन की प्रगति को मात्रात्मक रूप से अद्यतन किया है। क्षेत्र जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, भूमि उपयोग, हरियाली और ऊर्जा प्रबंधन हैं। एच.ई.आई. ने अपनी उपलब्धियों के वीडियो प्रस्तुत किए हैं। केसलेट को तकनीकी रूप से शैक्षणिक उपयोग के लिए केस मेथडोलॉजी चर्चा में तैयार किया गया है। इन रिपोर्टों का अध्ययन और मूल्यांकन एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा किया जाएगा जिसके आधार पर एच.ई.आई. को जिला ग्रीन चैंपियन के रूप में चुना जाएगा।

उन्नत भारत अभियान को तेलंगाना जिलों - विकाराबाद, सिद्दीपेट और यादाद्री भुवनागिरी में लागू किया गया था। आर.सी.आई. यू.बी.ए. एम.जी.एन.सी.आर.ई. उदयपुर, कश्मीर और जयपुर में स्थित क्षेत्रीय समन्वय संस्थानों के साथ साझा करने और सहकर्मी सीखने में सहायक था। अन्य क्षेत्रीय केंद्रों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए जिसमें व्यावहारिक और भागीदारी दृष्टिकोण कार्यान्वयन, समुदाय और स्थिरता लक्ष्यों के लिए आवश्यक कौशल पर सत्र शामिल थे।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. आर.सी.आई. उन्नत भारत अभियान को शुरू करने और कॉलेज - ग्राम जुड़ाव गतिविधियों में अपना योगदान देने के लिए 22 कॉलेजों तक पहुंचा। आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा क्वांटिफाइड सस्टेनेबिलिटी के लिए गांव और कॉलेज को जोड़ने पर संस्थागत कार्यशाला आयोजित की गई थी। यह कार्यशाला सरकारी बेगमपेट डिग्री कॉलेज के लिए ऑनलाइन आयोजित की गई थी जिसके लिए ग्राम सरपंच और ग्राम रामाराम मेड़चल जिले के लोग ऑनलाइन शामिल हुए थे। इस कार्यशाला में छात्रों को वर्षा जल संचयन कौशल की मात्रा का निर्धारण शामिल था।

आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने दो यू.बी.ए. भाग लेने वाले संस्थान - सेंट पियस एक्स डिग्री कॉलेज और गीतांजलि कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी हैदराबाद को गोद लिए गए गांवों में पहचानी गई चुनौतियों के लिए तकनीकी समाधान लागू करने के संबंध में राष्ट्रीय समन्वय संस्थान आई.आई.टी. दिल्ली को तकनीकी परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की हैं।

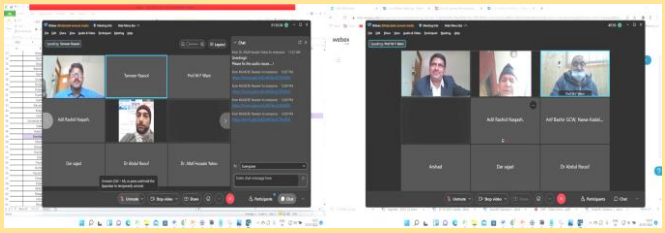

एन.आई.टी. कश्मीर ने स्थिरता सूचकांक और सामुदायिक व्यस्तता पर कौशल पर कार्यशाला के लिए आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. को आमंत्रित किया।

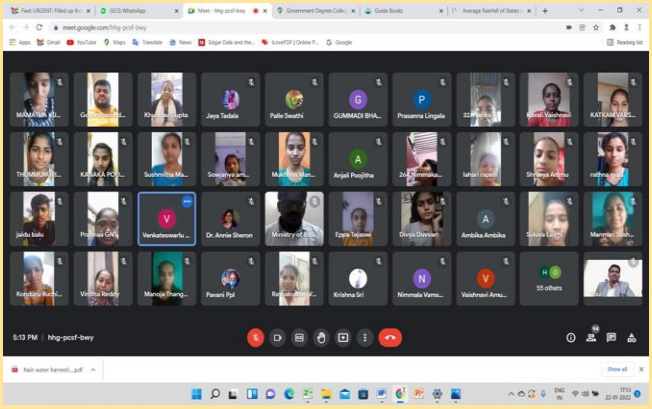

बेगमपेट सरकारी महिला कॉलेज, हैदराबाद में वर्षा जल संचयन के साथ गांव और स्थिरता पर आर.सी.आई. एम.जी.एन.सी.आर.ई. की कार्यशाला।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 2342205, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@एम.जी.एन.सी.आर.ई..in, वेबसाइट: www.एम.जी.एन.सी.आर.ई..org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित